

तथा सस्ते प्रोटीन आहारों को लोक प्रिय बनाने, खाद्य-परिरक्षण, पाक-विधि की वैज्ञानिक विधियों और खाद्य-पदार्थों के उपयोग सम्बन्धी जानकारी का प्रसार करने के लिए विभिन्न राज्यों में 17 चलते-फिरते खाद्य तथा पोषाहार विस्तार यूनिट कार्य कर रहे हैं। मेलों तथा प्रदर्शनों में भाग ले कर और प्रचार के सामान्य साधनों, स्वयंसेवी एजेंसियों के सहयोग अनाज रहित खाद्य व्यंजनों आदि की सूचियों वाली पुस्तिकाओं के प्रकाशन द्वारा सहायक खाद्य, संतुलित भोजन और खाद्य परिरक्षण सम्बन्धी जानकारी का भी प्रसार किया जा रहा है। चार खान-पान औद्योगिकी तथा व्यावहारिक पोषाहार संस्थान स्थापित किए गए हैं और पांच खाद्य पौलिटैकनिक खोले गए हैं। सरकारी क्षेत्र में स्थापित आठ स्वचालित बैकरियां भी बड़े शहरों में कार्य कर रही हैं जोकि पौष्टिक दृष्टि से समृद्ध डबल रोटियों का उत्पादन करती हैं।

(ग) कुछ राज्यों में "केयर" द्वारा आयोजित मुफ्त फीडिंग कार्यक्रम भी चला रहा है। सरकार इस कार्यक्रम के लिए देशी ढंग से तैयार सम्मिश्रित पौष्टिक खाद्य-पदार्थ जोकि आवश्यक विटामिन तथा खनिजों से समृद्ध होता है, बालाहार का उत्पादन कर रही है।

(घ) भोजन सम्बन्धी आदतों में परिवर्तन के कार्यक्रम का विशिष्ट रूप से शाकाहारी परिवारों को मांसाहारी बनाने से सम्बन्ध नहीं है।

(ङ) प्रश्न ही नहीं उठता।

भरतपुर के डाक तथा तार डिब्बोजन कार्यालय में अत्यधिक काम होने के कारण सवाई माधोपुर के लिए अलग डाक डिब्बोजन

4827. श्री मोठालाल मीना : क्या सूचना तथा प्रसारण और संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान में भरतपुर के डाक तथा तार डिब्बोजन कार्यालय

में कार्य इतना अधिक है कि सम्बन्धित अधिकारी अपने कार्य को सुचारु रूप से करने में कठिनाई अनुभव करते हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार सवाई माधोपुर के लिये अलग डिब्बोजन बनाने का है ; और

(ग) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय और संचार विभाग में राज्य मंत्री (श्री शेर सिंह) :
(क) जी नहीं।

(ख) और (ग). प्रश्न नहीं उठता। इस समय भरतपुर डाक डिब्बोजन को दो भागों में विभक्त करने और एक नये डाक डिब्बोजन के निर्माण का कोई औचित्य नहीं है।

Export of Sugar by Indian Sugar Industry Corporation, Delhi

4828. SHRI JYOTIRMOY BASU: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether the Indian Sugar Industry Corporation Limited, Delhi has been named by the Government as an export agency for handling export of sugar;

(b) if so, the details of its structure and composition;

(c) whether Government have any control over this Corporation;

(d) if so, the nature of that control; and

(e) why it was not considered desirable to take over the sugar export trade directly in the hands of any Government Undertaking set up to handle export and import trades?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION (SHRI ANNASAHIB SHINDE): (a) The Indian Sugar Industry Export Corporation Limited, Delhi, has been specified as an export agency for the purposes of the Sugar Export Promotion Act, 1958.

(b) The membership of the Corporation is confined to the owners of the licensed sugar factories or their authorised representatives. Its affairs are managed by a Committee of 20 persons comprising of the representatives of the co-operative sugar factories and other sugar factories. The Committee has a Chairman and a Vice-Chairman who also serve as the Chairman and Vice-Chairman of the Corporation. The offices of the Chairman and the Vice-Chairman are rotated alternately between the representatives of the co-operative sugar factories and representatives of other factories.

(c) and (d). The export agency specified under the provisions of the Sugar Export Promotion Act, 1958 is bound in the discharge of its functions under the said Act, by such general or special directions, as the Central Government may give to it in writing.

(e) The present agency has developed specialised knowledge and some degree of expertise and works on 'no profit no loss' basis. Moreover, during 1968 and 69 all exports were made under the provisions of the Sugar Export Promotion Act, 1958 and the entire loss was met by the sugar industry whose representatives constitute the export agency. In 1970 also the preferential quota of about 95,000 tonnes is being exported under the Sugar Export Promotion Act and the loss will be borne by the sugar industry.

मालवियानगर, नई दिल्ली में गाय को मार मार कर उसकी हत्या कर देना

4829. श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री रामगोपाल शालवाले :
श्री प० ला० बारूपाल :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान इस घटना की ओर दिलाया गया है जिसमें मालवियानगर, नई दिल्ली में एक गाय को बर्बरता से पीटा तथा उसकी हत्या कर दी गई ; और

(ख) यदि हां, तो दोषी पाये गये व्यक्ति के विरुद्ध सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहेब शिंदे) :
(क) दिल्ली प्रशासन से यह जानकारी प्राप्त हुई है कि शिकायत की जांच की गयी और यह पता चला कि गाय को न तो पीटा गया था और न ही जख्मी किया गया था । परन्तु वह अपनी स्वाभाविक मृत्यु से मरी ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

उत्तर प्रदेश में डाकघर

4831. श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री शारदा नन्द :
श्री रामगोपाल शालवाले :
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या सूचना तथा प्रसारण और संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1969-70 में उत्तर प्रदेश में जिलावार कितने डाक-घर खोले गये;

(ख) 1970-71 में जिलावार कितने डाक-घर खोले जायेंगे; और

(ग) उत्तर प्रदेश में इस समय कितने डाकघरों में तार की सुविधायें उपलब्ध है और कितने डाकघरों में हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तार भेजने की सुविधायें उपलब्ध हैं ?

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय और संचार विभाग में राज्य मंत्री (श्री शेर सिंह): (क) 1969-70 के दौरान उत्तर प्रदेश में जिलावार खोले गए डाकघरों की संख्या इस प्रकार है —

1. सहारनपुर	7
2. मुजफ्फुरनगर	1
3. आगरा	15
4. मेरठ	8
5. गोरखपुर	18
6. देवरिया	12
7. फर्रुखाबाद	5